सरयू राय
मंत्री
संसदीय कार्य-सह
खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं
उपभोक्ता मामले विभाग
झारखण्ड सरकार

झारखण्ड सरकार

कार्यालय :-
झारखण्ड मंत्रालय
प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा, राँची
आवास : एफ०टाईप, पी०डब्लू०डी० (IB)
डोरण्डा, राँची
मो० : 9431114466

पत्रांक...142/मं०/खा०...

दिनांक..04-03-16..

माननीय मुख्यमंत्री जी,

समाचार पत्रों में छपी खबरों से पता चला है कि जमशेदपुर में टाटा स्टील लिमिटेड को अपनी वर्त उत्पादन क्षमता 9.7 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 11 मिलियन टन करने के लिए भारत सरकार पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति मिल गयी है। आज के समाचारपत्रों में टाटा संस के चेयरमैन श्री साय मिस्त्री का एक वक्तव्य भी छपा है कि जमशेदपुर में टाटा स्टील की उत्पादन क्षमता बढ़ा कर 15 मिलि टन तक की जायेगी। आपको ज्ञात है कि इस कंपनी की उत्पादन क्षमता कालक्रम में 1 मिलियन टन बढ़ाकर 5 मिलियन टन, 7.5 मिलियन टन एवं 9.7 मिलियन टन हुई है। राज्य में स्टील उत्पादन क्षमता वृद्धि स्वागत योग्य है परंतु इसके साथ ही ऐसी वृद्धि का पर्यावरण पर पड़नेवाले कुप्रभाव पर भी वि आवश्यक है।

चूंकि भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की सलाह पर टाटा स्टील उत्पादन क्षमता 9.7 मिलियन टन से बढ़ाकर 11 मिलियन टन करने के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रद कर दिया है, इसलिए यह माना जा सकता है कि विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने और पर्यावरण मंत्रालय ने इ क्षमता वृद्धि का जमशेदपुर के पर्यावरण पर पड़नेवाले प्रभाव का सम्यक् विश्लेषण किया होगा। इस प्रकार विश्लेषण उत्पादन क्षमता 5 मिलियन टन से बढ़ाकर 7.5 मिलियन टन और फिर 9.7 मिलियन टन करने समय भी किया गया होगा और प्रत्येक चरण में पर्यावरण स्वीकृति देते समय कतिपय शर्तें भी लगायी ग होंगी। इस बारे में भी 11 मिलियन टन क्षमता वृद्धि की पर्यावरण स्वीकृति देते समय भारत सरकार विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति और पर्यावरण मंत्रालय ने अवश्य विचार किया होगा।

जहां तक जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विकास और इसका पर्यावरण पर प्रभाव का प्र है तो इस संबंध में केवल टाटा स्टील के उत्पादन और उत्पादन क्षमता में वृद्धि पर ही विचार करना उपयु नहीं होगा। जमशेदपुर में टाटा स्टील के अलावा आधा दर्जन से अधिक वृहत औद्योगिक गतिविधियां च रही हैं। इसके सटे आदित्यपुर में भी मंझोले और लघु श्रेणी के अनेकों उद्योग कार्यरत हैं। सरायकेला जि में गम्हरिया से लेकर चांडिल-चौका तक कई छोटे-बड़े उद्योग स्थापित हो गये हैं। इस क्षेत्र में अन्य व उद्योग प्रस्तावित भी हैं।

मुझे स्मरण है कि जब तत्कालीन टिस्को की उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 5 मिलियन टन करने की प्रक्रिया च रही थी, उस समय जमशेदपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों का पर्यावरण पर क्या प्रभ पड़ रहा है, इसका अध्ययन करने के लिए टिस्को ने भारत सरकार की संस्था 'NEERI' (Nation Environmental Engineering Research Institute) से क्षेत्र की Carrying Capacity (भार

Scanned with OKEN Scanner

सरयू राय
मंत्री
संसदीय कार्य-सह
खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं
उपभोक्ता मामले विभाग
झारखण्ड सरकार

झारखण्ड सरकार

कार्यालय :-
झारखण्ड मंत्रालय
प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा, राँची
आवास :- एफ०टाईप, पी० डब्लू०डी०(IB)
डोरण्डा, राँची
मो०: 9431114466

पत्रांक ....

दिनांक ....

वहन क्षमता) का अध्ययन कराया था। यह अध्ययन वर्ष 1995 से 2000 के बीच हुआ था। अध्ययन उपरांत की गयी अनुशंसाओं का कियान्वयन कितना हुआ और कितना नहीं हुआ, इसके बारे में कोई विशे जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार विभिन्न चरणों में टाटा स्टील की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने लिए भारत सरकार के पर्यावरण विभाग द्वारा पर्यावरण स्वीकृति देने की शर्तों का कितना अनुपालन हु और कितना नहीं हुआ, इस बारे में ठोस जानकारी राज्य सरकार के संबंधित विभाग के पास अवश्य होगी।

अब जबकि टाटा स्टील की उत्पादन क्षमता 11 मिलियन टन करने हेतु पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त हो गयी और कंपनी का प्रबंधन उत्पादन क्षमता को 15 मिलियन टन तक ले जाने की सोच रहा है, तो मु आवश्यक प्रतीत हो रहा है कि एक बार फिर जमशेदपुर एवं समीपवर्ती क्षेत्रों की Carrying Capacity व अध्ययन कराया जाये और तदनुसार पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु आवश्यक उपाय कि जायें। औद्योगिक विकास में वृद्धि के साथ ही पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर भी पर्या ध्यान रहेगा तभी सतत विकास की अवधारणा साकार हो सकती है। इस संबंध में जमशेदपुर प्रक्षेत्र व Carrying Capacity का अध्ययन करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की किसी प्रतिष्ठित संस्था व जिम्मेदारी सौंपना उपयुक्त होगा। इस अध्ययन के लिए भारत सरकार से सहायता भी प्राप्त की जा सकत है। यह कार्य वाइल्ड लाइफ इंस्टीच्युट ऑफ इंडिया (WII) द्वारा भलिभांति संपादित किया जा सकता कारण कि इस क्षेत्र में दलमा अभ्यारण्य भी अवस्थित है। WII विशेषज्ञों का एक बहुआयामी समूह गठि कर इस दायित्व का निर्वाह भलिभांति करने में सक्षम संस्थान है।

अनुरोध है कि उपर्युक्त विवरण के आलोक में आप शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

सधन्यवाद,

भवदीय

(सरयू राय)

सेवा में

श्री रघुवर दास
माननीय मुख्यमंत्री,
झारखंड सरकार

Scanned with OKEN Scanner